Step-by-Step हिंदी गाइड

UPI और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव

PhonePe, Google Pay, Paytm, QR Code, UPI PIN और साइबर धोखाधड़ी से बचने की आसान हिंदी गाइड



Anoop Gupta

UPI और ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव

PhonePe, Google Pay, Paytm, QR Code, UPI PIN और साइबर धोखाधड़ी से बचने की आसान हिंदी गाइड

लेखक: Anoop Gupta

कॉपीराइट

© 2026 Anoop Gupta। सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में पुनः प्रकाशित, संग्रहीत या प्रसारित नहीं किया जा सकता, सिवाय समीक्षा में छोटे उद्धरणों के।

प्रथम संस्करण: 2026

Independently published

अस्वीकरण

यह किताब केवल सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। यह कानूनी या वित्तीय सलाह नहीं है। लेखक का NPCI, RBI, किसी बैंक या किसी भी UPI ऐप (PhonePe, Google Pay, Paytm आदि) से कोई संबंध नहीं है। ऐप के मेनू, भुगतान सीमाएँ और नियम समय-समय पर बदलते हैं; ताज़ा जानकारी npci.org.in, rbi.org.in और अपने बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर देखें। साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। सभी उदाहरणों के नाम और घटनाएँ काल्पनिक हैं।

इस किताब का उपयोग कैसे करें

किताब चार भागों में है: पहले UPI की बुनियादी समझ, फिर रोज़ के भुगतान, फिर धोखाधड़ी के तरीके, और अंत में शिकायत और सुरक्षा। हर अध्याय में आसान भाषा में समझाया गया है, फिर आम गलतियाँ, एक Quick Tip और अंत में सारांश है। आख़िर में परिशिष्ट में सवाल-

जवाब, आधिकारिक वेबसाइटें और एक चेकलिस्ट है, जिसे आप परिवार के साथ भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

विषय-सूची

- अध्याय 1: डिजिटल पेमेंट की दुनिया
- अध्याय 2: UPI क्या है और कैसे काम करता है?
- अध्याय 3: UPI ID, PIN और QR Code की पूरी जानकारी
- अध्याय 4: PhonePe, Google Pay और Paytm का इस्तेमाल
- अध्याय 5: UPI अकाउंट कैसे सेटअप करें?
- अध्याय 6: पैसे भेजने और प्राप्त करने का सही तरीका
- अध्याय 7: गलत UPI पेमेंट हो जाए तो क्या करें?
- अध्याय 8: बैंक बैलेंस, Transaction History और Pending Payment
- अध्याय 9: फर्जी QR Code और Collect Request Fraud
- अध्याय 10: नकली Customer Care और Screen Sharing Scam
- अध्याय 11: WhatsApp, SMS और नकली लिंक से होने वाली ठगी
- अध्याय 12: बैंक अकाउंट, UPI PIN और मोबाइल की सुरक्षा
- अध्याय 13: UPI Fraud होने पर तुरंत क्या करें
- अध्याय 14: 1930 हेल्पलाइन और Cyber Crime Portal पर शिकायत
- अध्याय 15: सुरक्षित डिजिटल पेमेंट की आदतें और Final Checklist
- परिशिष्ट: FAQ, समस्याएँ-समाधान और चेकलिस्ट

अध्याय 1: डिजिटल पेमेंट की दुनिया

आज मोबाइल फोन से सब्ज़ी खरीदने, दुकान पर बिल चुकाने, दोस्त को पैसे भेजने और ऑनलाइन खरीदारी करने जैसे काम किए जा सकते हैं। पहले इन कामों के लिए अक्सर नकद पैसे रखने या बैंक जाने की जरूरत पड़ती थी। अब UPI जैसे डिजिटल पेमेंट विकल्पों ने पैसे भेजने और प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान बना दी है।

लेकिन डिजिटल पेमेंट के साथ कुछ जोखिम भी हैं। गलत UPI ID पर पैसे भेजना, नकली QR Code स्कैन करना, फर्जी Customer Care पर भरोसा करना या अपना UPI PIN किसी को बता देना आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

इस अध्याय में आप डिजिटल पेमेंट की बुनियादी बातें समझेंगे, UPI का महत्व जानेंगे और सुरक्षित लेन-देन की आदतें सीखेंगे।

1.1 डिजिटल पेमेंट क्या है?

डिजिटल पेमेंट का अर्थ है इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान करना। इसमें भुगतान के लिए हर बार नकद नोट या सिक्कों का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं होता।

उदाहरण के लिए:

- दुकान पर UPI QR Code स्कैन करके भुगतान करना।
- मोबाइल ऐप से किसी दूसरे व्यक्ति को पैसे भेजना।
- इंटरनेट बैंकिंग से बिल का भुगतान करना।
- Debit Card से ऑनलाइन खरीदारी करना।
- उपलब्ध बैंकिंग सेवा के माध्यम से किसी खाते में पैसे ट्रांसफर करना।

डिजिटल पेमेंट में पैसा आपके बैंक खाते या संबंधित भुगतान सेवा से जुड़े रिकॉर्ड के अनुसार ट्रांसफर होता है। इसलिए भुगतान करने से पहले प्राप्तकर्ता, राशि और स्क्रीन पर दिखने वाले विवरण की जाँच करना जरूरी है।

1.2 UPI क्या है?

UPI का पूरा नाम Unified Payments Interface है। यह भारत में विकसित एक डिजिटल भुगतान प्रणाली है, जिसके माध्यम से समर्थित बैंक खातों के बीच मोबाइल से भुगतान किया जा सकता है।

UPI सिस्टम का संचालन National Payments Corporation of India (NPCI) करता है।

UPI से आप उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार:

- किसी व्यक्ति को पैसे भेज सकते हैं।
- दुकान या व्यापारी को भुगतान कर सकते हैं।
- UPI ID या QR Code के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।
- अपने बैंक खाते से जुड़ी भुगतान गतिविधियों की जानकारी देख सकते हैं।
- कुछ सेवाओं में बिल भुगतान जैसी सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

UPI से संबंधित सुविधाएँ आपके बैंक, ऐप और खाते की पात्रता के अनुसार अलग-अलग हो सकती हैं।

आधिकारिक वेबसाइटें:

- NPCI: https://www.npci.org.in/
- RBI: https://www.rbi.org.in/

1.3 PhonePe, Google Pay और Paytm क्या हैं?

ये डिजिटल भुगतान के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लोकप्रिय ऐप हैं। इनके माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार UPI भुगतान और अन्य डिजिटल सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है।

PhonePe

UPI भुगतान और दूसरी उपलब्ध डिजिटल सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला ऐप। इसकी सुविधाएँ और विकल्प समय के साथ बदल सकते हैं।

Google Pay

समर्थित बैंक खातों के साथ UPI भुगतान करने और उपलब्ध भुगतान गतिविधियों को देखने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला ऐप।

Paytm

डिजिटल भुगतान और उपलब्ध वित्तीय सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला ऐप। किसी विशेष सुविधा की उपलब्धता ऐप और सेवा की वर्तमान स्थिति पर निर्भर करती है।

इन ऐप्स के नाम और लोगो पहचानना उपयोगी है, लेकिन केवल लोगो देखकर किसी लिंक या भुगतान अनुरोध को सुरक्षित न मानें। ऐप हमेशा आधिकारिक App Store या Google Play Store से डाउनलोड करें।

1.4 UPI ID, मोबाइल नंबर और QR Code में अंतर

डिजिटल पेमेंट करते समय इन तीनों का अंतर समझना बहुत जरूरी है।

UPI ID: यह भुगतान के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पहचान है। इसका प्रारूप ऐप या बैंक के अनुसार अलग हो सकता है।

मोबाइल नंबर: कुछ भुगतान सेवाओं में मोबाइल नंबर के माध्यम से प्राप्तकर्ता खोजने या भुगतान करने का विकल्प उपलब्ध हो सकता है। केवल नंबर देखकर यह न मानें कि प्राप्तकर्ता की पहचान निश्चित हो गई है।

QR Code: यह स्कैन करके भुगतान विवरण प्राप्त करने का तरीका है। QR Code में भुगतान पाने वाले व्यक्ति या व्यापारी से संबंधित जानकारी हो सकती है।

एक उदाहरण

मान लीजिए आप दुकान पर ₹250 का सामान खरीदते हैं।

दुकानदार आपको अपना QR Code दिखाता है।

आप अपने UPI ऐप से उसे स्कैन करते हैं।

ऐप पर प्राप्तकर्ता का नाम और राशि जाँचते हैं।

यदि विवरण सही है, तो भुगतान की पुष्टि करते हैं।

भुगतान पूरा होने के बाद ऐप पर Status देखते हैं।

महत्वपूर्ण: केवल QR Code स्कैन करने से सामान्य UPI भुगतान में पैसा अपने आप नहीं कटना चाहिए; भुगतान पूरा करने के लिए ऐप में आवश्यक पुष्टि करनी पड़ती है। फिर भी किसी अनजान भुगतान अनुरोध या स्क्रीन पर दिए गए निर्देशों को बिना पढ़े स्वीकार न करें।

1.5 डिजिटल पेमेंट के फायदे

डिजिटल पेमेंट कई परिस्थितियों में सुविधाजनक हो सकता है।

Step 1: नकद पैसे रखने की जरूरत कम हो सकती है।

छोटी दुकान से खरीदारी या बिल भुगतान के लिए आप उपलब्ध UPI सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

Step 2: भुगतान का रिकॉर्ड मिल सकता है।

ऐप में उपलब्ध Transaction History के माध्यम से आप पुराने भुगतान का विवरण देख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर Transaction ID या Reference Number भी उपयोगी हो सकता है।

Step 3: दूर बैठे व्यक्ति को भुगतान कर सकते हैं।

यदि दोनों पक्षों की भुगतान सेवा समर्थित है, तो आप दूसरे शहर में रहने वाले व्यक्ति को भी UPI से पैसे भेज सकते हैं।

Step 4: भुगतान की पुष्टि जल्दी मिल सकती है।

सफल भुगतान का Status अक्सर ऐप में दिखाई देता है। हालांकि, कभी-कभी नेटवर्क या बैंक की समस्या के कारण भुगतान Pending भी रह सकता है।

Step 5: रोजमर्रा के भुगतान व्यवस्थित हो सकते हैं।

कुछ ऐप भुगतान रिकॉर्ड दिखाते हैं, जिससे आप अपने खर्चों की समीक्षा कर सकते हैं।

1.6 डिजिटल पेमेंट के जोखिम

डिजिटल पेमेंट सुविधाजनक है, लेकिन इसका सुरक्षित इस्तेमाल करना आपकी जिम्मेदारी भी है।

Step 6: गलत व्यक्ति को पैसे भेजने का जोखिम समझें।

अगर आप गलत UPI ID या गलत प्राप्तकर्ता चुन लेते हैं, तो पैसा गलत खाते में जा सकता है। इसलिए पुष्टि करने से पहले नाम और राशि जाँचें।

Step 7: नकली भुगतान स्क्रीन से सावधान रहें।

किसी व्यक्ति द्वारा दिखाया गया स्क्रीनशॉट भुगतान का प्रमाण नहीं है। अपने ऐप या बैंक के रिकॉर्ड में भुगतान की स्थिति जाँचें।

Step 8: फर्जी कॉल पर भरोसा न करें।

कोई व्यक्ति बैंक अधिकारी या Customer Care Agent बनकर UPI PIN, OTP या स्क्रीन शेयर करने के लिए कहे, तो सावधान रहें।

Step 9: QR Code को ध्यान से जाँचें।

किसी अज्ञात व्यक्ति के भेजे QR Code को बिना उद्देश्य समझे स्कैन न करें। भुगतान करने से पहले ऐप में दिखाई देने वाले प्राप्तकर्ता का विवरण पढ़ें।

Step 10: मोबाइल की सुरक्षा बनाए रखें।

अपने फोन में Screen Lock रखें और अनजान ऐप को संवेदनशील अनुमतियाँ देने से बचें।

1.7 UPI PIN क्या है और इसे कैसे सुरक्षित रखें?

UPI PIN वह गोपनीय संख्या है जिसका उपयोग कई UPI लेन-देन को अधिकृत करने के लिए किया जाता है। इसे अपने ATM PIN, मोबाइल Password या OTP से अलग समझना चाहिए।

कुछ जरूरी नियम:

- UPI PIN किसी दूसरे व्यक्ति को न बताएँ।
- पैसे प्राप्त करने के लिए सामान्यतः UPI PIN दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती।
- किसी अनजान व्यक्ति के निर्देश पर UPI PIN न डालें।

यदि आप किसी ऐप में भुगतान कर रहे हैं, तो राशि और प्राप्तकर्ता जाँचकर ही आगे बढ़ें।

अपना UPI PIN किसी स्क्रीनशॉट या नोट में खुले रूप में न रखें।

याद रखें: पैसा प्राप्त करने के नाम पर कोई व्यक्ति आपको UPI PIN दर्ज करने या किसी अनजान Collect Request को मंजूर करने के लिए कहता है, तो पहले उसकी प्रामाणिकता जाँचें।

1.8 डिजिटल पेमेंट करते समय पाँच आदतें

भुगतान से पहले प्राप्तकर्ता का नाम जाँचें।

राशि ध्यान से पढ़ें।

UPI PIN और OTP किसी के साथ साझा न करें।

भुगतान के बाद ऐप में Status देखें।

संदिग्ध लेन-देन होने पर तुरंत बैंक या आधिकारिक शिकायत माध्यम से संपर्क करें।

इन आदतों को अपनाने से हर प्रकार की धोखाधड़ी पूरी तरह समाप्त नहीं होती, लेकिन जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है।

Common Mistakes — आम गलतियाँ

- केवल QR Code देखकर भुगतान कर देना।
- प्राप्तकर्ता का नाम और राशि जाँचे बिना Confirm करना।
- Payment Screenshot को वास्तविक भुगतान का प्रमाण मान लेना।
- पैसे प्राप्त करने के लिए UPI PIN डाल देना।
- अनजान व्यक्ति के कहने पर स्क्रीन शेयर करना।

- UPI ऐप किसी अनजान वेबसाइट से डाउनलोड करना।
- Pending Payment होने पर बिना Status जाँचे बार-बार भुगतान करना।

Quick Tip — भुगतान से पहले 5 सेकंड रुकें

हर UPI भुगतान से पहले ये तीन चीजें जाँचें:

- किसे: प्राप्तकर्ता का नाम।
- कितने: भुगतान की राशि।
- क्यों: क्या आपने यह भुगतान स्वयं शुरू किया है और क्या उद्देश्य सही है?
- अगर इनमें से कोई भी बात संदिग्ध लगे, तो भुगतान की पुष्टि न करें।

सारांश: याद रखने योग्य बातें

- डिजिटल पेमेंट इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान करने का तरीका है।
- UPI बैंक खातों के बीच डिजिटल भुगतान करने की प्रणाली है।
- UPI ID, मोबाइल नंबर और QR Code अलग-अलग तरीके हैं।
- UPI PIN और OTP को हमेशा गोपनीय रखें।
- भुगतान करने से पहले प्राप्तकर्ता, राशि और अनुरोध की जाँच करें।

अध्याय 2: UPI क्या है और कैसे काम करता है?

UPI ने भारत में पैसे भेजने और प्राप्त करने के तरीके को आसान बनाया है। इसकी मदद से आप समर्थित बैंक खाते से मोबाइल के माध्यम से किसी दूसरे बैंक खाते में भुगतान कर सकते हैं। हर बार बैंक खाते की पूरी जानकारी भरने की आवश्यकता नहीं होती; कई परिस्थितियों में UPI ID, मोबाइल नंबर या QR Code के जरिए भुगतान किया जा सकता है।

लेकिन UPI को सही तरह से इस्तेमाल करने के लिए यह समझना जरूरी है कि आपका बैंक खाता इससे कैसे जुड़ता है, UPI ID क्या होती है, PIN कब डालना चाहिए और भुगतान Pending होने पर क्या करना चाहिए।

इस अध्याय में हम UPI की कार्यप्रणाली को आसान उदाहरणों से समझेंगे।

2.1 UPI किसने बनाया?

UPI का पूरा नाम Unified Payments Interface है। इसे National Payments Corporation of India (NPCI) ने विकसित किया है। NPCI भारत में खुदरा भुगतान प्रणालियों के विकास और संचालन से जुड़ी संस्था है।

UPI का उद्देश्य समर्थित बैंक खातों के बीच डिजिटल भुगतान को आसान बनाना है। इसके माध्यम से व्यक्ति से व्यक्ति (Person-to-Person) और व्यक्ति से व्यापारी (Person-to-Merchant) भुगतान किया जा सकता है।

UPI की आधिकारिक जानकारी के लिए देखें:

- NPCI: https://www.npci.org.in/
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI): https://www.rbi.org.in/

2.2 UPI काम कैसे करता है?

- आइए एक आसान उदाहरण लेते हैं।

मान लीजिए आप किसी दुकान से ₹300 का सामान खरीदते हैं। दुकानदार UPI QR Code दिखाता है और आप अपने मोबाइल ऐप से भुगतान करते हैं।

Anoop Gupta Books

End of free sample – buy the full book at onlineebook.in/books/upi-aur-online-fraud-se-bachav.html

This file is a free sample. The complete ebook is sold at onlineebook.in.